भारत सरकार

विदेश मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या - 5543

दिनांक 04.04.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

भारत और कनाडा के बीच कूटनीतिक तनाव

5543. **श्री यूसुफ पठानः**

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार द्वारा विदेशी हस्तक्षेप और तदुपरांत राजनयिक निष्कासन के आरोपों सहित भारत और कनाडा के बीच हाल ही में हुए राजनयिक गतिरोध के मुद्दे का समाधान करने के लिए कोई कार्रवाई की गई है; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और द्विपक्षीय संबंधों में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

विदेश राज्य मंत्री
[श्री कीर्तवर्धन सिंह]

(क) एवं (ख) भारत-कनाडा के संबंधों में आई गिरावट कनाडा में अलगाववादी और चरमपंथी तत्वों को दी गई छूट का परिणाम है।

भारत सरकार ने बार-बार कनाडा सरकार से आग्रह किया है कि वह अपनी देश में सक्रिय सभी भारत विरोधी तत्वों के खिलाफ त्वरित और प्रभावी कार्रवाई करे। इसमें अलगाववादी और चरमपंथी तत्वों को हमारे नेताओं की हत्या का महिमामंडन करने; हमारे वर्तमान राजनीतिक नेतृत्व और राजनयिकों को धमकियाँ देने; पूजा स्थलों का अनादर करने और वहाँ तोड़फोड़ करन; तथा तथाकथित "जनमत संग्रह" आयोजित करके भारत के विखंडन का समर्थन करने से रोकना शामिल है। हम कनाडा में भारत विरोधी तत्वों की गतिविधियों के संबंध में अपनी चिंताओं के समाधान हेतु कनाडा सरकार के साथ बातचीत जारी रखेंगे।

जहां तक विदेशी हस्तक्षेप का सवाल है, यह सच है कि कनाडा लगातार भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करता रहा है। इससे अवैध प्रवासन और संगठित आपराधिक गतिविधियों के लिए भी माहौल तैयार हो गया है। हम कनाडा सरकार द्वारा भारत पर लगाए गए किसी भी आक्षेप को अस्वीकार करते हैं।

हमें आशा है कि हम आपसी सम्मान और संवेदनशीलता के आधार पर संबंधों को पुनः स्थापित कर सकेंगे।

*****